विषयानुक्रम

1. प्रथम परिवर्त

जैन धर्म की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक परम्परा 1-13

प्राक्-परम्परा-तीर्थंकर ऋषभदेव से नेमिनाथ तक (1), तीर्थंकर पार्श्वनाथ और महावीर (2-6), पुरातात्त्विक अवदान और सांस्कृतिक तत्त्व (7), समन्वयात्मक तत्त्व (8)।

2. द्वितीय परिवर्त

जैन साहित्य परम्परा 13-63

प्राकृत-अपभ्रंश साहित्य (14), संस्कृत साहित्य (26), अन्य भाषा साहित्य (29), हिन्दी साहित्य: [illegible] (30), जैन कथा साहित्य: सुगंधदशमी कथा का समीक्षात्मक अध्ययन (43), कोश लेखन प्रवृत्ति (48)।

3. तृतीय परिवर्त

जैन दार्शनिक चेतना 64-80

स्याद्वाद और अनेकान्तवाद (64), ध्यान का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण (71), जैन भूगोल (75)।

4. चतुर्थ परिवर्त

जैन रहस्यवाद (शोध – प्रबन्ध का सार) 81-96

परिभाषा और विकास (83), आदिकाल (83), मध्यकाल (88), उत्तरकाल (89), शोध प्रबन्ध का सार (91)।

5. पञ्चम परिवर्त

नारी धर्म चेतना 97-129

दिगम्बर-श्वेताम्बर परंपरा में नारी की स्थिति (97), आत्मशक्ति का जागरण (105), सामाजिक स्थिति और विविध समस्याएं (107), पारिवारिक संयोजन का दायित्व (123)।